

रजिस्टर्ड डाक ए.डी. द्वारा

: आयुक्त (अपील -I) का कार्यालय, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, :
: सैन्टल एक्साइज भवन, सातवीं मंजिल, पौलिटैक्नीक के पास, :
: आंबावाडी, अहमदाबाद- 380015. :

क फाइल संख्या : File No : V2(74)49 /Ahd-III/2015-16/Appeal-I

ख अपील आदेश संख्या : Order-In-Appeal No.: **AHM-EXCUS-003-APP-017-16-17**

दिनांक Date : **24.05.2016** जारी करने की तारीख Date of Issue _____

श्री उमाशंकर आयुक्त (अपील-I) द्वारा पारित

Passed by **Shri Uma Shanker** Commissioner (Appeals-I) Ahmedabad

ग _____ आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, अहमदाबाद-I आयुक्तालय द्वारा जारी मूल
आदेश सं _____ दिनांक : _____ से सृजित

Arising out of Order-in-Original: **08/D/GNR/2015-VPS** Date: **24.06.2015**

Issued by: Deputy Commissioner, Central Excise, Din: Gandhinagar, A'bad-III.

घ **अपीलकर्ता** एवं प्रतिवादी का नाम एवं पता

Name & Address of the **Appellant** & Respondent

M/s. Lumen Magnetic Wires Ltd (100%EOU)

कोई व्यक्ति इस अपील आदेश से असंतोष अनुभव करता है तो वह इस आदेश के प्रति यथास्थिति नीचे
बताए गए सक्षम अधिकारी को अपील या पुनरीक्षण आवेदन प्रस्तुत कर सकता है।

Any person aggrieved by this Order-In-Appeal may file an appeal or revision application, as
the one may be against such order, to the appropriate authority in the following way :

भारत सरकार का पुनरीक्षण आवेदन :

Revision application to Government of India :

(1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा अंतर्गत नीचे बताए गए मामलों के बारे में
पूवोक्त धारा को उप-धारा के प्रथम परन्तुक के अंतर्गत पुनरीक्षण आवेदन अवर सचिव, भारत सरकार,
वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, चौथी मंजिल, जीवन दीप भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली : 110001 को
की जानी चाहिए।

(i) A revision application lies to the Under Secretary, to the Govt. of India, Revision
Application Unit Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building,
Parliament Street, New Delhi - 110 001 under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the
following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35 ibid :

(ii) यदि माल की हानि के मामले में जब ऐसी हानि कारखाने से किसी भण्डागार या अन्य कारखाने
में या किसी भण्डागार से दूसरे भण्डागार में माल ले जाते हुए मार्ग में, या किसी भण्डागार या भण्डार में
चाहे वह किसी कारखाने में या किसी भण्डागार में हो माल की प्रकिया के दौरान हुई हो।

(ii) In case of any loss of goods where the loss occur in transit from a factory to a
warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of
processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse.

(ख) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या प्रदेश में निर्यातित माल पर या माल के विनिर्माण में उपयोग शुल्क
कच्चे माल पर उत्पादन शुल्क के रिबेट के मामलों में जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या प्रदेश में निर्यातित
हैं।

(b) In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside
India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any
country or territory outside India.

(ग) यदि शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर (नेपाल या भूटान को) निर्यात किया गया
माल हो।

(c) In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of
duty.



ध अंतिम उत्पादन की उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो ड्यूटी क्रेडिट मान्य की गई है और ऐसे आदेश जो इस धारा एवं नियम के मुताबिक आयुक्त, अपील के द्वारा पारित वो समय पर या बाद में वित्त अधिनियम (नं.2) 1998 धारा 109 द्वारा नियुक्त किए गए हो।

(d) Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under and such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec.109 of the Finance (No.2) Act, 1998.

(1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) नियमावली, 2001 के नियम 9 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट प्रपत्र संख्या इए-8 में दो प्रतियों में, प्रेषित आदेश के प्रति आदेश प्रेषित दिनांक से तीन मास के भीतर मूल-आदेश एवं अपील आदेश की दो-दो प्रतियों के साथ उचित आवेदन किया जाना चाहिए। उसके साथ खाता इ. का मुख्यशीर्ष के अंतर्गत धारा 35-इ में निर्धारित फी के भुगतान के सबूत के साथ टीआर-6 चालान की प्रति भी होनी चाहिए।

The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-In-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.

(2) रिविजन आवेदन के साथ जहाँ संलग्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम हो तो रुपये 200/- फीस भुगतान की जाए और जहाँ संलग्न रकम एक लाख से ज्यादा हो तो 1000/- की फीस भुगतान की जाए।

The revision application shall be accompanied by a fee of Rs.200/- where the amount involved is Rupees One Lac or less and Rs.1,000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.

सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपील:-
Appeal to Custom, Excise, & Service Tax Appellate Tribunal.

(1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35- षोबी/35-इ के अंतर्गत:-

Under Section 35B/ 35E of CEA, 1944 an appeal lies to :-

(क) वर्गीकरण मूल्यांकन से संबंधित सभी मामले सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण की विशेष पीठिका वेस्ट ब्लॉक नं. 3. आर. के. पुरम, नई दिल्ली को एवं

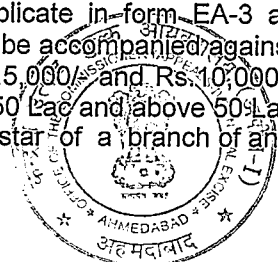
(a) the special bench of Custom, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No.2, R.K. Puram, New Delhi-1 in all matters relating to classification valuation and.

(ख) उक्तलिखित परिच्छेद 2 (1) क में बताए अनुसार के अलावा की अपील, अपीलों के मामले में सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका, अहमदाबाद में ओ-20, न्यू मेटल हास्पिटल कम्पाउण्ड, मेघानी नगर, अहमदाबाद-380016.

(b) To the west regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at O-20, New Metal Hospital Compound, Meghani Nagar, Ahmedabad : 380 016. in case of appeals other than as mentioned in para-2(i) (a) above.

(2) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) नियमावली, 2001 की धारा 6 के अंतर्गत प्रपत्र इए-3 में निर्धारित किए अनुसार अपीलीय न्यायाधिकरणों की गई अपील के विरुद्ध अपील किए गए आदेश की चार प्रतियाँ सहित जहाँ उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग ओर लगाया गया जुर्माना रूपए 5 लाख या उससे कम है वहां रूपए 1000/- फीस भेजनी होगी। जहाँ उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग ओर लगाया गया जुर्माना रूपए 5 लाख या 50 लाख तक हो तो रूपए 5000/- फीस भेजनी होगी। जहाँ उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग ओर लगाया गया जुर्माना रूपए 50 लाख या उससे ज्यादा है वहां रूपए 10000/- फीस भेजनी होगी। की फीस सहायक रजिस्टार के नाम से रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में संबंध की जाये। यह ड्राफ्ट उस स्थान के किसी नामित सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक की शाखा का हो

The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 as prescribed under Rule 6 of Central Excise(Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against (one which at least should be accompanied by a fee of Rs.1,000/-, Rs.5,000/- and Rs.10,000/- where amount of duty / penalty / demand / refund is upto 5 Lac, 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asstt. Registrar of a branch of any



nominate public sector bank of the place where the bench of any nominate public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated

(3) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश होता है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए फीस का भुगतान उपर्युक्त ढंग से किया जाना चाहिए इस तथ्य के होते हुए भी कि लिखा पढ़ी कार्य से बचने के लिए यथास्थिति अपीलीय न्यायाधिकरण को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है।

In case of the order covers a number of order-in-Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner notwithstanding the fact that the one appeal to the Appellant Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filled to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lacs fee of Rs.100/- for each.

(4) न्यायालय शुल्क अधिनियम 1970 यथा संशोधित की अनुसूची-1 के अंतर्गत निर्धारित किए अनुसार उक्त आवेदन या मूल आदेश यथास्थिति निर्णयन प्राधिकारी के आदेश में से प्रत्येक की एक प्रति पर रु.6.50 पैसे का न्यायालय शुल्क टिकट लगा होना चाहिए।

One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjournment authority shall bear a court fee stamp of Rs.6.50 paise as prescribed under scheduled-I item of the court fee Act, 1975 as amended.

(5) इन ओर संबंधित मामलों को नियंत्रण करने वाले नियमों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है जो सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (कार्याविधि) नियम, 1982 में निहित है।

Attention is invited to the rules covering these and other related matter contended in the Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.

(6) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय प्राधिकरण (सीस्टेट) के प्रति अपीलों के मामलों में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1988 की धारा 39फ के अंतर्गत वित्तीय(संख्या-2) अधिनियम 2014(2014 की संख्या 29) दिनांक: 06.08.2014 जो की वित्तीय अधिनियम, 1998 की धारा 23 के अंतर्गत सेवाकर को भी लागू की गई है, द्वारा निश्चित की गई पूर्व-राशि जमा करना अनिवार्य है, बशर्ते कि इस धारा के अंतर्गत जमा की जाने वाली अपेक्षित देय राशि दस करोड़ रूपए से अधिक न हो

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर के अंतर्गत "माँग किए गए शुल्क" में निम्न शामिल है

- (i) धारा 11 डी के अंतर्गत निर्धारित रकम
- (ii) सेनवैट जमा की ली गई गलत राशि
- (iii) सेनवैट जमा नियमावली के नियम 6 के अंतर्गत देय रकम

→ आगे बशर्ते यह कि इस धारा के प्रावधान वित्तीय (सं. 2) अधिनियम, 2014 के आरम्भ से पूर्व किसी अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष विचाराधीन स्थगन अर्जी एवं अपील को लागू नहीं होगा।

For an appeal to be filed before the CESTAT, it is mandatory to pre-deposit an amount specified under the Finance (No. 2) Act, 2014 (No. 25 of 2014) dated 06.08.2014, under section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under section 83 of the Finance Act, 1994 provided the amount of pre-deposit payable would be subject to ceiling of Rs. Ten Crores,

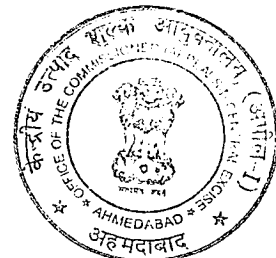
Under Central Excise and Service Tax, "Duty demanded" shall include:

- (i) amount determined under Section 11 D;
- (ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;
- (iii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules.

→Provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.

(6)(i) इस संदर्भ में, इस आदेश के प्रति अपील प्राधिकरण के समक्ष जहाँ शुल्क अथवा शुल्क या दण्ड विवादित हो तो माँग किए गए शुल्क के 10% भुगतान पर और जहाँ केवल दण्ड विवादित हो तब दण्ड के 10% भुगतान पर की जा सकती है।

(6)(i) In view of above, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute."



ORDER-IN-APPEAL

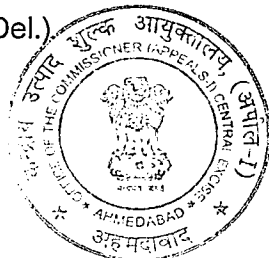
This order arises out of an appeal filed by M/s. Lumen Magnetic Wires Ltd., C-10, Electronic Estate, Sector-10, Gandhinagar-382044 (in short 'appellant') have filed an appeal against Order-in-Original No. 08/D/GNR/2015-VPS dated 24.06.2015 (in short 'impugned order') passed by the Deputy Commissioner, Central Excise, Division Gandhinagar, Ahmedabad-III (in short 'adjudicating authority').

2. Briefly stated that the adjudicating authority vide impugned order confirmed demand of duty of Rs.1,30,845/- for violation of condition no.3(d)(i)(ii)(b) of exemption Notifn. No.52/2003-Cus. Dated 31.03.2003 as amended u/s 72(1)(d) of the Customs Act, 1962 readwith section 28(4) ibid and section 11A of the Central Excise Act, 1944, ordered for recovery of interest on confirmed demand at appropriate rate u/s 28AA ibid and imposed penalty of Rs.1,30,845/- u/s 112, 114A and 117 ibid.

3. Being aggrieved with the impugned order, the appellant has filed the present appeal wherein they, interalia, have contested that:

- (a) they had written letter dtd.24.01.2014 to the Development Commissioner, KASEZ for revision of wastage norms from 40 % to 45% which is further forwarded to the DGFT, New Delhi and pending before the appropriate authority much prior to the issue of the SCN. The wastage is exceeded by 1.44%. Had their application been considered within reasonable time, the question of paying duty alongwith interest and imposing penalty would not arise. The issuance of SCN is premature in view of their application pending for revision of wastage norms with the appropriate authority.
- (b) the SCN is time-barred as they have filed ER-2 returns and rely upon case law of Padmini Products reported in 1989(43)ELT-195(SC) and Continental Foundation reported in 2007(216) ELT-177(SC).
- (c) the irregularities involving generation of more wastage was discovered during internal audit and had already applied for revision of wastage norms on 27.01.2014 before the Development Commissioner, KASEZ. This incidence took place before the issue of the SCN. Therefore, there is no malafide intention on their part and as such penalty of Rs.1,30,845/- imposed u/s 112,114A and 117 of the Customs Act, 1962 is clearly without authority of law and rely upon following case laws:

- CCE, Nasik Vs.Chetna Cement-2007(208)ELT-195(Tri.Mum.)
- RGR Pharma. Vs.CCE, Chandigarh-2007(211)ELT-313(Tri.Del.)
- Aurobindo Pharma Vs.CCE-2002(150)ELT-1053 (Tri. Bang.)



- Jamna Auto Vs.CCE-2001(130)ELT-181(Tri. Delhi)
- Flextronics Technology Vs.CCE-2014(314) ELT-664(Tri. Bang.)
- Comstar Automotive-2014(313) ELT-157 (Tri.Chennai).

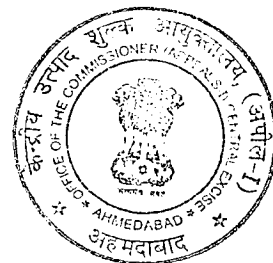
(d) the proposal to charge interest u/s 11AB of the Central Excise Act, 1944 is also without authority of law as there is no short levy or non-levy of duty with intent to evade payment of duty in the instant case.

4. Personal hearing in the matter was held on 03.05.2016. Smt. Shilpa P. Dave, Advocate, appeared before me on behalf of the appellant and reiterated ground of appeal and submitted additional written submission in the form of various case laws; that Deptt. should prove that there was diversion; that no extended period can be invoked because it is 100% EOU.

5. I have carefully gone through the appeal memorandum, submission made at the time of personal hearing and evidence available on records. The main issue to be decided is whether the impugned order is just, legal and proper or otherwise. Accordingly, I proceed to decide the case on merits.

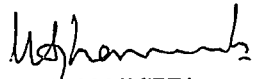
5.1 At the outset, I find that the appellant is 100% EOU and had procured the goods duty free under Notifn. No.52/2003-Cus. Dated 31.03.2003 as amended. Since the product manufactured by the appellant is unique one and generating wastage abnormally during the manufacturing process, the appropriate authority had fixed it to 40% vide their letter dated 13/26.11.2002. During the course of Customs Receipt Audit (CRA), it was found that the unit had generated the waste between 40.19% to 48.06% during the period from 2006-07 to 2010-11 as per Annexure-A to the SCN dated 07.07.2014. The appellant has contested that wastage is only 1.44% excess. In this regard, I find that wastage norms appears to have been fixed @40% in respect of Base Copper Wire only, which is their main raw material, vide letter dated 13/26.11.2002 of Jt. Dev. Commr, KASEZ. The appellant has tried to justify it on average basis vide their reply dtd.05.08.2014 to the SCN issued on 07.07.2014 which cannot be accepted in any case. Secondly, the appellant has made application for revision of wastage norms from 40 to 45% to the Dev. Commr, KASEZ vide their letter dated 27.01.2014 i.e. almost after 11 years. The period covered in the SCN is from 2006-07 to 2010-11 i.e. prior to the application made for revision of wastage norms. Therefore, it appears that the appellant was very well aware about said excess wastage but remained silent on the matter till audit by CRA and unearthed said revenue loss to the govt. ex-chequer.

5.2 The consultant, during personal hearing pointed out the Deptt.. should have prove that there was diversion. In this regard, I find that the demand notice have been issued in terms of Para 3(d)(i)(ii)(b) of Notifn. No.52/2003-Cus. Dated 31.03.2003 read with Section 28(4) and 72(1)(d) of the Customs Act, 1962 and

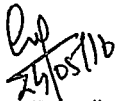


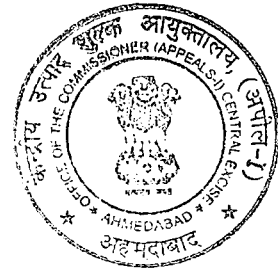
Section 11A of the Central Excise Act, 1944. Said para provides for payment of duty and interest for non-accounting of goods procured without duty payment to the satisfaction of the proper officer. I find that in the instant case, wastage generated was above the final norms fixed @ 40% in 2002. There is no allegation in the SCN that the appellant has diverted the goods procured without duty payment under said notfn. As the appellant has to self-assess the duty liability under the provisions of the Central Excise Act and the Rules made thereunder, the appellant has failed to self-assess the duty liability on such excess wastage. Also, I do not find any evidence on record to prove that the appellant had intimated to the Deptt. regarding said excess wastage. Hence, extended period is correctly invoked. I also find that the case laws relied upon by the appellant in the present appeal are not applicable looking to the facts of the case.

6. In view of the above discussion and findings, I uphold the impugned order and set-aside the appeal filed by the appellant.


 (UMA SHANKER)
 COMMISSIONER (APPEALS-I)
 CENTRAL EXCISE, AHMEDABAD.
 Dt. 27.05.2016

Attested


 (B.A. Patel)
 Superintendent (Appeals-I)
 Central Excise, Ahmedabad.



BY SPEED POST/ R.P.A.D. TO:

M/s. Lumen Magnetic Wires Ltd.,
 C-10, Electronic Estate, Sector-10,
 Gandhinagar-382044.

COPY TO:-

1. The Chief Commissioner of Central Excise, Ahmedabad.
2. The Commissioner of Central Excise, Ahmedabad-III.
3. The Deputy Commissioner, Cen. Excise. Division-Gandhinagar, Ahmedabad-III.
4. The Dy. Commissioner, Cen. Excise. (Systems), Ahmedabad-III.
 (for uploading the order on the website).
5. Guard file.
6. P.A. file.